प्रेस को जानकारी टिप्पण (प्रेस विज्ञप्ति संख्या 54 / 2020)

तत्काल जारी करने के लिए

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

विषय : कोविड– 19 के दौर में दक्षिण एशिया में डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं के लिए डिजिटल परिवर्तन पर आईटीयू और जीएसएमए के साथ साथ भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से वेबीनार का आयोजन

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2020: भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा), इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) और जीएसएम एसोसिएशन (जीएसएमए) द्वारा संयुक्त रूप से एक वेब संवाद का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय विनियामक प्राधिकरणों और दक्षिण एशिया के अन्य हितधारकों के प्रतिनिधियों को शामिल करना है ताकि कोविड–19 के बाद के युग में डिजिटल परिवर्तन के लिए विनियमन पर चर्चा की जा सके। कोविड– 19 के अभूतपूर्व संकट के बीच, डिजिटल प्रौद्योगिकियां, सरकारों, व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए सोशल डिस्टेंसिंग से निपटने, व्यापार की निरंतरता सुनिश्चित करने, और सेवा रुकावट से बचने के लिए एकमात्र अवसर प्रदान करते हैं। यह वेब संवाद विनियामकों, नीति निर्माताओं और उद्योग को डिजिटल परिवर्तन को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा जो अभी हो रहा है और एक नीतिगत परिवेश तैयार करने के लिए उपकरण है जो उनकी अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को एक एसे विश्व में समृद्ध होने में सक्षम बनाता है जो आगे और भी डिजिटल और डाटा संचालित हो रहे हैं।

जनसंख्या का एक बड़ा भाग, विश्व की कुल आबादी का लगभग 25 प्रतिशत दक्षिण एशिया में रहता है और भारत लगभग 1.3 बिलियन लोगों की आबादी वाले इस क्षेत्र में सबसे बड़ा और सबसे अधिक आबादी वाला देश है। विकसित दुनिया की तुलना में दक्षिण एशिया के अधिकांश देशों में बुनियादी ढांचे और संसाधनों की कमी है। उपलब्ध संसाधनों की तुलना में जनसंख्या के प्रतिशत का यह असंतुलन सरकारों के लिए स्थिति से निपटने और अर्थव्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कठिन स्थिति बन गई है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, इस वेब संवाद के सत्रों को डिजिटल परिवर्तन और डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए सभी और सहयोगी विनियामक साधनों के लिए निर्बाध डिजिटल कनेक्टिविटी पर चर्चा करने के लिए समर्पित किया गया है और इस क्षेत्र के लिए विचार–विमर्श दिलचस्प और प्रासंगिक होने की आशा है।

विख्यात वक्ता इस संकट के बीच उभरने वाली सभी तरह की कनेक्टिविटी की चुनौतियों और जरूरतों के प्रत्युत्तर में अपनाई गई डिजिटल कार्यनीतियों और अभिनव समाधानों पर प्रकाश डालेंगे। सभी प्रतिभागियों के साथ एक खुली चर्चा विख्यात पैनलिस्ट और प्रतिभागियों द्वारा एक इंटरैक्टिव चर्चा के रूप में सीखी गई संबंधित चुनौतियों, अवसरों और सबक का पता लगाएगी। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के अध्यक्ष महोदय तथा दूरसंचार विकास ब्यूरो, आईटीयू के निदेशक सुश्री डोरीन बोगदान–मार्टिन, स्वीडिश पोस्ट एंड टेलीकॉम अथॉरिटी (पीटीएस) के महानिदेशक श्री डैन स्जोब्लोम,, जो बीईआरईसी (इलेक्ट्रॉनिक संचार के लिए यूरोपीय विनियामकों के निकाय) के अध्यक्ष भी हैं, जीएसएमए के लिए एशिया प्रशांत के प्रमुख श्री जूलियन गोर्मन के साथ उद्घाटन भाषण देंगे। दक्षिण एशियाई क्षेत्र के अनेक विनियामकों के प्रमुख विशेषरूप से भूटान, नेपाल, मालदीव, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, ईरान, मंगोलिया आदि देशों से वक्ताओं के रूप में भाग लेंगे।

अधिक जानकारी के लिए, श्री जोसेफ मनोहरन, उप– सलाहकार (अंतर्राष्ट्रीय संबंध), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, से दूरभाष नम्बर +91–11–23230204 अथवा ई–मेल आईडी : irdivision@trai.gov.in पर संपर्क करें।

अस्वीकरण: यह विज्ञप्ति मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित विज्ञप्ति का हिंदी अनुवाद हैं। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित यह विज्ञप्ति मान्य होगी।